# Page Three

## Classified

**Adds can be booked under these Categories : (all day publication)**

| | |
|---|---|
| Recruitment | Entertainment & Event |
| Property | Hobbies & Interests |
| Business Opportunity | Services |
| Vehicles | Jewellery & Watches |
| Announcements | Music |
| Antiques & Collectables | Obituary |
| Barter | Pets & Animals |
| Books | Retail |
| Computers | Sales & Bargains |
| Domain Names | Health & Sports |
| Education | Travel |
| Miscellaneous | |

**Matrimonial (Sunday Only)**

**अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द**


# महिलाओं को डिसीजन मेकिंग में मिले बराबरी का अधिकार

**कार्यक्रम**

## राज्यपाल ने 'शक्ति' कार्यक्रम की सभी महिला प्रतिभागियों से मुलाकात की

**संवाददाता**

देहरादून। राज्यपाल बेबी रानी मौर्य ने शुक्रवार को यूनिवर्सिटी ऑफ पेट्रोलियम एण्ड एनर्जी स्टडीज द्वारा आयोजित 'शक्ति' कार्यक्रम की सभी महिला प्रतिभागियों से मुलाकात की। 'शक्ति' कार्यक्रम यूनिवर्सिटी की महिला शिक्षकों और कार्मिकों में 'लीडरशिप स्किल' विकसित करने और उन्हें प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से चलाया गया। महिला प्रतिभागियों से बात करते हुए राज्यपाल श्रीमती मौर्य ने कहा कि महिलाओं को अपनी शक्ति और सामर्थ्य से कभी समझौता नहीं करना चाहिए। ''यदि आप कोई सही निर्णय लेती हैं तो उस पर अडिग रहिये। अपने व्यवहार और कर्म पर विश्वास रखिये। यही जीवन का मूल मंत्र है'' राज्यपाल ने कहा।

राज्यपाल श्रीमती मौर्य ने कहा कि महिलाओं को डिसीजन मेकिंग प्रणाली में बराबरी का अधिकार मिलना चाहिये। महिलाओं में जन्मजात लीडरशिप गुण होते हैं। प्रत्येक संस्थान को उन्हें बढ़ावा देना चाहिये। राज्यपाल श्रीमती मौर्य ने लैंगिक विषमता दूर करने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि लड़कियों को पढाना चाहिये, उन्हें पढ़ाई, खेलने और निर्णय लेने की पूरी आजादी देनी चाहिये।

एक प्रश्न के उत्तर में राज्यपाल ने कहा कि महिलाएं सफलता की किसी भी मंजिल पर पहुंच जायें उन्हें अपने परिवार और बच्चों के साथ सदैव सामंजस्य बनाकर रखना चाहिये। ''अहंकार को कभी ऊपर हावी न होने दें और परिवार के सहयोग और सलाह को महत्व दें''। एक प्रतिभागी के प्रश्न के उत्तर में राज्यपाल ने कहा कि किसी कार्य को छोटा नहीं समझना चाहिये। जन सेवा ही हमारी मूल भावना होनी चाहिये।

राज्यपाल ने संयुक्त परिवारों के महत्व पर भी अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि अपने लक्ष्य निर्धारित करें और उन्हें पाने के लिए पूरी शक्ति लगा दें। जीवन में अपने संस्कार और मूल्यों का साथ कभी नहीं छोड़ना चाहिये।

कार्यक्रम में कई महिला प्रतिभागियों ने राज्यपाल से उनके जीवन अनुभवों, उनके राज्यपाल बनने तक के सफर के बारे में प्रश्न पूछे और अपने विचार भी साझा किये। इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव श्री रमेश कुमार सुधांशु, यू.पी.ई.एस के चेयरमैन शरद मेहरा, निदेशक अरूण ढ़ांड सहित बड़ी संख्या में प्रतिभागी महिलाएं उपस्थित थी।

यूनिवर्सिटी ऑफ पेट्रोलियम एण्ड एनर्जी स्टडीज द्वारा आयोजित 'शक्ति' कार्यक्रम की महिला प्रतिभागी राज्यपाल के साथ में।

**राज्यपाल ने नव संवत्सर, चौत्र प्रतिपदा, नवरात्रि की बधाई दी**

देहरादून। राज्यपाल बेबी रानी मौर्य ने प्रदेशवासियों को नव संवत्सर, चौत्र प्रतिपदा, नवरात्रि तथा चेटीचंद पर्व की शुभकामनाएं दी है। अपने संदेश में राज्यपाल श्रीमती मौर्य ने कहा कि चौत्र प्रतिपदा के साथ नव संवत्सर प्रारम्भ हो रहा है। यह वर्ष प्रदेशवासियों के लिए सुख समृद्धि और खुशहाली लेकर आये।

## न्यूज डायरी

### प्रत्याशी पोस्टर बैनर पर ज्यादा विश्वास नहीं कर रहे

**संवाददाता** देहरादून। चुनाव आयोग की सख्ती के चलते सूरतेहाल यह है कि मौजूदा लोकसभा चुनावों में राजनीतिक दलों के पोस्टर, बैनर शहर, तहसील, बस्तियों व मोहल्लों से तकरीबन गायब से हैं। केवल चुनावी सभाओं, पार्टी मुख्यालयों और प्रत्याशियों के कार्यालय में ही चुनावी पोस्टर नजर आ रहे हैं। प्रदेश में पांच लोकसभा की सीटें है।

राज्य की इन पांचों सीटों पर 52 प्रत्याशी ताल ठोके हुए हैं। बीते चुनावों तक इतने प्रत्याशियों के होने से शहर व कस्बे चुनावी पोस्टर बैनरों से पट जाते थे लेकिन इस बार हालात बिलकुल उलट हैं। दरअसल, इस बार आयोग ने सरकारी व गैर सरकारी संपत्तियों पर पोस्टर बैनर पूरी तरह प्रतिबंधित किए हुए हैं। निजी संपत्तियों पर भी संपत्ति के मालिक की अनुमति के बाद ही पोस्टर बैनर लगाए जा सकते हैं।

### बुक एक्सचेंज मेले में अभिभावकों ने किताबों और ड्रेस का किया आदान–प्रदान

**संवाददाता** देहरादून। नेशनल एसोसिएशन फॉर पैरेंट्स एंड स्टूडेंट्स राइट्स की मुहिम ताकि कोई बच्चा न रहे शिक्षा से वंचित चल रहे तीन दिवसीय बुक एक्सचेंज मेले के तीसरे व अंतिम दिन भी अभिभावकों ने जमकर किया किताबों व स्कूल ड्रेस का आदान–प्रदान। नेशनल एसोसिएशन फॉर पैरेंट्स एंड स्टूडेंट्स राइट्स बुक बैंक ने अभिभावकों व बच्चों के द्वारा जनहित मेउठाये जा रहे इस सरहानीय कदम की प्रशंसा करते हुए एसोसिएशन के अध्यक्ष आरिफ खान ने कहा कि बुक एक्सचेंज मेले का आज अंतिम दिन था किंतु अभिभावकों का योगदान और उम्मीद देख कर अब यह बुक एक्सचेंज कार्यक्रम वर्ष भर तक चलेगा इसके लिए जगह जगह कलेक्शन सेंटर स्थापित किये जायेंगे। अब लाइन मे लग कर अपने बच्चों के लिए किताबें खरीदने के लिए बाध्य नही होना पड़ेगा।

### इन्द्रप्रस्थ अपोलो ने 67 वर्षीय महिला का सफल आंशिक घुटना प्रत्यारोपण कियों

**संवाददाता** देहरादून। नाईजीरिया की 67 वर्षीय निवासी डनमालिकिन, जो अपने पैरों पर चलने की उम्मीद पूरी तरह से खो चुकी थीं, उनके जीवन को फिर से एक नई गति मिली है। डनमालिकिन के घुटनों और बाएं पैर में कई सालों से बहुत ज़्यादा दर्द रहता था। इसके अलावा पैर के अंगूठे में भी परेशानी होने के कारण उनके लिए चलना–फिरना मुश्किल हो गया था। इन्द्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स में जॉइन्ट रिप्लेसमेन्ट एवं स्पाईन के सीनियर कन्सलटेन्ट डॉ यश गुलाटी और उनकी टीम ने इस सर्जरी को सफलता पूर्वक पूरा किया।

# उत्तराखंड में महंगी हुई डॉक्टरी की पढ़ाई

**संवाददाता**

देहरादून। चिकित्सक बनने का सपना देख रहे छात्रों को प्रवेश एवं शुल्क नियामक समिति ने बड़ा झटका दिया है। डॉक्टरी की पढ़ाई प्रदेश में अब महंगी हो गई है। श्री गुरु राम राय इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एंड हेल्थ साइंसेज के प्रस्ताव पर समिति ने एमबीबीएस व एमडी–एमएस की फीस में दो से ढाई गुना तक की फीस वृद्धि को मंजूरी दी है। वहीं, स्वामी राम हिमालय यूनिवर्सिटी ने अपीलीय प्राधिकरण द्वारा पारित आदेश के क्रम में स्वयं शुल्क निर्धारित किया है। ऐसे में ऑल इंडिया ही नहीं, बल्कि राज्य कोटा के तहत दाखिला लेने वालों को भी अब लगभग दोगुना शुल्क देना होगा।

बता दें, प्रदेश में निजी मेडिकल कॉलेजों के शुल्क निर्धारण का मामला काफी वक्त से अटका हुआ था। गत वर्षों में यूजी व पीजी पाठ्यक्रम की कई काउंसिलिंग बगैर शुल्क निर्धारण के ही हुई। इस कारण सरकार व निजी कॉलेजों के बीच तनातनी की स्थिति रही। स्थिति यह कि मामला कोर्ट तक पहुंच गया।

शुल्क तय न होने पर छात्रों को शपथ पत्र लेकर दाखिला दिया गया। यानी प्रवेश के लिए छात्रों को तमाम मुश्किलों से जूझना पड़ा। यह मुश्किल आगे भी कम होती नहीं दिख रही है। वजह है शुल्क में बेतहाशा वृद्धि। राज्य सरकार ने उच्च न्यायालय नैनीताल से ही समितियों के लिए दो नाम मांगे थे। हाईकोर्ट से नाम मिलने के बाद रिटायर्ड जस्टिस कुलदीप सिंह को प्रवेश एवं शुल्क निर्धारण समिति का अध्यक्ष व जस्टिस सुरेंद्र सिंह पाल को अपीलीय समिति का अध्यक्ष बनाया गया।

15 मार्च को प्रवेश एवं शुल्क नियामक समिति की बैठक आयोजित की गई थी। जिसमें श्री गुरु राम राय इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एंड हेल्थ साइंसेज के शुल्क पर विचार हुआ। इसमें दो से ढाई गुणा तक वृद्धि की गई है। स्वामी राम हिमालयन यूनिवर्सिटी ने अपीलीय प्राधिकरण के उस आदेश को आधार बनाया है, जिसमें विवि के फीस निर्धारण के अधिकार को मान्य करार दिया गया था।

**कई तरह के अन्य शुल्क भी**

शुल्क बढ़ोत्तरी छात्रों पर भारी पड़ने वाली है। वजह यह कि इस फीस से अलग उन्हें तमाम अन्य शुल्क भी देने होंगे। जिसमें प्रवेश शुल्क, हॉस्टल फीस, मेस फीस आदि शामिल हैं। यह अलग बात है कि पीजी छात्रों को स्टाइपेंड के माध्यम से कुछ राहत मिलेगी।

## एनआईआईएफटी में फैशन डिजाइन के लिए ऑनलाइन पंजीकरण शुरू

**संवाददाता** देहरादून। एनआईआईएफटी में फैशन डिजाइन के लिए ऑनलाइन पंजीकरण शुरू हो गया है। आवेदन जमा करने की अंतिम तारीख 23 मई है। परिणामों की घोषणा 20 जून को की जाएगी। 25–26 जून को यूजी प्रोग्रामों की साक्षात्कार सिचुएशन परीक्षा ली जायेगी। पहली काउन्सलिंग से लेकर तीसरी काउन्सलिंग 26 व 28 जून को होगी एवं फीस भी 26 व 28 जून को ली जाएगी तथा विस्तृत विवरण वेबसाईट पर उपलब्ध है। एनआईआईएफटी के रजिस्ट्रार सरदार इंद्रजीत सिंह ने गुरूवार को होटल इन्द्रलोक में प्रेसवार्ता के दौरान जानकारी देते हुए बताया कि आउटलुक पत्रिका द्वारा किए गए एक सर्वेक्षण के अनुसार यह संस्थान आज देश में नवें स्थान पर है। रजिस्ट्रार सरदार इंद्रजीत सिंह ने कहा कि सुंदर साम अरोड़ा उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री पंजाब सरकार के गतिशील नेतृत्व और सक्षम मार्गदर्शन के तहत एनआईआईएफटी काम कर रहा हैं। परिणामों की घोषणा 20 जून में की जाएगी तथा 25–26 जून को यूजी प्रोग्रामों की साक्षात्कार सिचुएशन परीक्षा ली जायेगी।

## चुनाव देश की राजनीति का भविष्य तय करेगाः एजाज अहमद

जेएनयू दिल्ली के छात्रसंघ सचिव एजाज अहमद को सुनते छात्र।

देहरादून। **संवाददाता**

जेएनयू दिल्ली के छात्र संघ सचिव एजाज अहमद ने कहाँ है कि वर्तमान लोकसभा चुनाव इस देश की राजनीति का भविष्य तय करेगा इसलिए भी यह चुनाव अत्यधिक महत्वपूर्ण है वे आज एसएफआई द्वारा आयोजित संगोष्ठी में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। गोष्ठी करनपुर में सम्पन हुई उन्होंने कहा है कि वर्तमान चुनावों को देखते हुए छात्र–युवाओं की बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका है इसलिए छात्र युवाओं को सोच–समझकर अपनी मताधिकार का प्रयोग करना होगा ताकि सुरक्षित हाथों में देश की युवाओं का भविष्य सौपा जा सके। इस चुनाव पर उन्होंने कहा है कि इस बार इस देश की सत्ता से भाजपा को बाहर किया जाना जरुरी है इसलिए छात्र–युवाओं को अपने मत का बढ़चढ़ कर उपयोग करना चाहिये।

# कार्मिक अपने कार्य को समझ लें

**निर्देश**

देहरादून। **संवाददाता**

मुख्य निर्वाचन अधिकारी सौजन्या स्पोर्ट्स कॉलेज में अचानक चुनावी तैयारियों का जायजा लेने पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को आयोग की गाइडलाइन से अवगत कराते हुए कहा कि एक–एक नियमों का अध्ययन कर निर्वाचन कार्य को पूरा करें। उन्होंने पीठासीन, जोनल और सेक्टर मजिस्ट्रेटों के बीच बेहतर समन्वय रखने के निर्देश दिए।

लोकसभा चुनाव ड्यूटी प्रशिक्षण ले रहे कार्मिकों को संबोधित करते हुए मुख्य निर्वाचन अधिकारी सौजन्या ने कहा कि कार्मिक अपने कार्य एवं जिम्मेदारी को भलीभाति समझ लें। उन्होंने कहा कि किसी भी कार्मिक की यदि कोई शंका हो तो समय पर उसका समाधान कराया जा सके। बिना किसी दबाव के अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए निर्वाचन कायरें का संपादन करें। कहा कि प्रत्येक जोनल एवं सेक्टर मजिस्ट्रेट अतिरिक्त बैलेट यूनिट, कंट्रोल यूनिट तथा वीवीपैट साथ रखें।

**ईसीआईए के इंजीनियरों से वीपीपैट और ईवीएम की भी जानकारी प्राप्त की**

मुख्य निर्वाचन अधिकारी सौजन्या ने कहा कि खराब होने या मतदान के दौरान दिक्कत आने पर तत्काल संबंधित मतदान स्थल पर पहुंचाएं। उन्होंने ईसीआईए के इंजीनियरों से वीपीपैट और ईवीएम की भी जानकारी प्राप्त की और उन्हें आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। इस मौके जिला निर्वाचन अधिकारी एसए मुरूगेशन ने चुनाव तैयारी की जानकारी दी। मतदान का हर दो घंटे में अपडेट मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि सेक्टर अधिकारी मतदान दिवस पर अपने संबंधित जोनल मजिस्ट्रेट से संपर्क बनाए रखें।